मैं
क्यों मसीही हुँ?

कुछ वर्ष पहले न्युजीलैंड के एक वकील, जो किसी समय वकालत के कार्य में मेरा सहयोगी था ने मुझसे पुछा, — ''मैं क्यों मसीही हुँ?'' निम्नलिखित पन्नें उत्तर देती है .....

विषय – वस्तु

अध्याय 1 शुरूआती दिन

अध्याय 2 किशोराअवस्था

अध्याय 3 विवाह

अध्याय 4 मण्डली

अध्याय 5 परिवार

अध्याय 6 परिवर्तन का समय

अध्याय 7 परमेश्वर कार्य करता है।

अध्याय 8 मैं बंधुआ हुँ।

अध्याय 9 नया जीवन

अध्याय 10 बदला परिवार

अध्याय 11 यीशु के लिए गवाही देना

अध्याय 12 परमेश्वर का आश्चर्यकर्म

अध्याय 13 आप अपने बारे में क्या सोचते हैं?

अध्याय 1

शुरूआती दिन

जब मैं आठ वर्ष का था, मेरा छोटा भाई जो चार वर्ष का था कैंसर से ग्रसित होने के कारण छः महीने अन्दर मर गया। बिमारी के कारण वह बहुत ही दुबला पतला हो गया था और सिर्फ उसका हड्डी दिखाई देता था। जिस दिन उसकी मृत्यु हुई, मैं मैदान में खेल रहा था। तभी मैंने किसी की आवाज सुनी जो जल्दी घर लौट आने को कह रहा था। मुझे ऐसा लगा कुछ भयानक घटना हुई है और जैसे ही मैं दौड़ते हुये अपने घर के पीछले दरवाजे पर पहुॅचा, मेरी मॉ अपने गोद में मुझे उठाकर कहने लगी – ''अब सिर्फ तुम ही रह गये हो।'' मुझे जल्द ही समझ में आ गया कि मेरा भाई मर गया है। यद्पि वह सौतेला बड़ा भाई था तौभी मैं अपने परिवार में अकेला बच गया था।

कई वर्षों के बाद, मेरी मॉ ने मुझे बताई जिस दिन मेरे भाई की मृत्यु हुई वह केथ को अपने कमरे से पुकारते हुये सुनी थी, ''मम्मी पापा जल्दी आओ।'' वे दौड़कर कमरे में गये और आश्चर्य कि बात यह थी कि केथ उठकर बैठा हुआ था और लग रहा था कि वह सम्पुर्ण रिति से ठीक हो गया है। उसके चेहरे का रंग बदला

हुआ था जैसे कि उसका पुरा शरीर कुछ क्षण के लिए ठीक हो गया हो। वह माता–पिता की ओर नहीं देख रहा था। बल्कि उपर की ओर बड़ी उम्मीद के साथ देखते हुये कहा, '' मम्मी पापा मुझे अब जाना है गुडबॉय'' तब उसकी मृत्यु हो गयी।

बाईबल बताती है कि परमेश्वर के दुत हमेशा बच्चों के चेहरों को निहारती रहती है। जब तक बच्चा अपने समझ की उम्र तक नही पहुंच जाता वह न्याय के सिहांसन के सामने खड़ा नहीं होता, बल्कि यदि वह उस उम्र के पहले मर जाय तो वह न्याय सिहांसन के सामने खड़े हुये बिना परमेश्वर के उपस्थिति में चला जाता है। मुझे सन्देह नही की केथ के लिए स्वर्गदुत आये थे। जब उसका मृत्यु हुआ वह स्वर्गदुत की ओर देख रहा था। इसी कारण से वह उपर की ओर आन्नद और बड़ी उम्मीद के साथ देख रहा था। मुझे अच्छी तरह याद है एक स्त्री ने मुझे बताई थी कि वह अपने साथी को लंबे बिमारी के बाद, युवावस्था में ही मरते हुए देखी थी। वे शादी–शुदा नहीं थे। उसने बताई, वह उस दृश्य को कभी नहीं भुल सकती। मरते वक्त वह अपने बिस्तर पर बैठ गया और उसके चेहरे पर भय सा छा गया और जोर जोर से चिल्लाने लगा, नहीं,! नहीं,! नहीं,! निश्चित है कि उसके मरते वक्त परमेश्वर के दुत

उसे लेने नहीं आये थे बल्कि शैतान की बुरी शक्तियॉ उसे नरक में ले जाने के लिए आये थे जहॉ अन्तिम न्याय के लिए इंतजार करेगें।

न्युजीलैंड का एक व्यक्ति जिसका नाम लेन मैक कारमेक था। वह मर जाने के बाद कुछ देर के लिए नरक में गया था, वह बताता है कि नरक भयानक पीड़ा और अंधकार की जगह है। यीशु अपनी बड़ी दया, करूणा और अनुग्रह के कारण लेन मैक के मरने के पहले अपने आप को उसके सामने प्रकट किया जिसके कारण उसे अपना जीवन प्रभु को देने का मौका मिला। यीशु ने उसे नरक से निकाला और उसे स्वर्ग दिखाया। वह लेन को धरती पर लौटने का मौका दिया। लेन इस मौके को स्वीकार कर लिया क्योंकि वह नहीं चाहता था कि उसका मसीही विश्वासी मॉ यह समझे कि वह सदा के लिए नाश हो गया है।

केथ के मृत्यु पश्चात् मेरे माता–पिता, जो कभी भी कलिसिया में संगति के लिए नहीं जाते थे निकट के ब्रेदेन एसेम्ली से जुड़ गये। आने बाले आठ बर्षों तक मैं गृह सभा में जाता रहा, तब मैंने यह निर्णय लिया कि अब परमेश्वर के पीछे नहीं चलुगॉ। मुझे रेडियो सुनने के लिए मना किया गया, सिनेमा देखने से मना किया

गया, यहाँ तक कि किसी ने खेल में भी भाग लेने के लिए उत्साहित नहीं किया। मसिहियत मेरे लिए बिना खुशी वाला जीवन और हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए वाली नियमों से भरा था।

मैंने सोंचा – ''यदि मसिहियत ऐसा ही है तो हमें इससे कोई लेना देना नहीं है।''

अध्याय – 2

किशोराअवस्था के दिन

सेकेण्डरी स्कुल समाप्त करने के बाद मैं महाविधालय में इस आशय से गया कि वकालत की डिग्री हासिल करू। मेरे हृदय की आखिरी तमन्ना थी कि बहुत पैसा कमाउॅ। मैंने सोचा यदि मैं वकील बन जाउॅ तो धनी बन जाउॅगा। मेरे पिता कठिन परिश्रम करने वाले थे फिर भी जीने के लिए कभी भी जरूरत जितना पैसा न हुआ।

वह मछली पकड़कर घर–घर जाकर बेचा करते थे। उनके पास कभी कभी बिल भुगतान करने के लिए पैसा नहीं होता और जब महाजन पैसा के लिए दरवाजा खटखटाता मेरी मॉ कोई जबाब नहीं देती और मैं पलंग के निचे छुप जाया करता था। ये सारी बातें मुझे यहॉ तक खींचा कि मैं अपने जीवन में आर्थिक रिति से सफल होना चाहता था। यही बातें आने वाले बीस बर्षों तक मेरे जीवन को चलाता रहा।

महाविधालय में पढ़ने के दौरान मैं पार्ट टाईम जॉब के रूप में अपने खर्चें को पुरा करने के लिए काम किया करता था। मेरा काम पाली मजदुर के रूप में आधी रात से सुबह 6:00 बजे तक वेस्ट फील्ड फ्रीजिंग वर्क के ठंडे चेम्बर में था और मैं मोटरसाईकिल से आया जाया करता था।

वहॉ पर कुछ बुरे चरित्र के लोग भी काम करते थे। एक रात की बात है मेरे साथ काम करने वाला एक मजदुर मुझे वहॉ अकेला पाकर मुझे कसकर पकड़ लिया और यह कहते हुए धमकाने लगा कि – यदि मैंने उसे अपने साथ उसी जगह सम्भोग नहीं करने दिया तो वह मुझे निचे फेंक देगा जहॉ से जानवर के कारकस को उपर–निचे ले जाया जाता था।

मैं अवाक् होकर उसी जगह खड़ा था कि तभी अचानक एक आदमी उस कमरे में आया और मैं बाल–बाल बच गया।

मैंने लोगों के बगीचे में भी पैसा कमाने के लिए काम किया। उन दिनों में छात्रों को कर्ज नहीं मिलता था।

अन्त में मुझे एक कानुनी कार्यालय में काम मिल गया। तनखा तो बहुत कम था फिर भी मैं वहॉ काम करके खुश था क्योंकि इसके द्वारा मुझे कानुन सम्बन्धी

व्यवहारिक ज्ञान मिल रहा था। मैं सप्ताह के चार दिन काम देने वाले व्यक्ति के कार्यालय में और शुक्रवार को उसके बगीचे में काम करता था।

जब मैंने अधिवक्ता और कानुनी सलाहकार की योग्यता प्राप्त कर ली तब मुझे काम देने वाला व्यक्ति ने मुझे स्वयं ही वकालत का काम शुरू करने की सलाह दी। उसने कहा कि अब मैं वकालत करने के योग्य हो गया हुँ और उचित तनखा देने में वह सक्षम नहीं है। अगले ही दिन मुझे अधिवक्ता और कानुनी सलाहकार के रूप में नियुक्ति मिल गयी और मैं काम करने लगा।

अध्याय – 3

विवाह

मैं महाविद्यालय में पॉच वर्षों तक था। उसी समय अपने होने वाली पत्नी पैट से एक नाच–गान के समाराह में मिला। मैं उसके नाच की क्षमता और सुन्दर बाल को देखकर उसकी ओर अचानक आकर्षित हो गया। उसी रात मैं उसके साथ उसके माता–पिता के घर गया और आनेवाले रविवार को बाहर आने को कहा परन्तु उन्होंने यह कहकर मना किया कि वे आराधना के लिए कलिसिया में जाएगें।

मैं जल्द ही इस बात को समझ गया कि पैट अपने जीवन के आरम्भिक दिनों से लगातार कलिसिया जाया करती थी। वह अपने परिवार के तेरह बच्चों में से सातवां थी। जब वह दस वर्ष की थी अपने भाइयों को अपने साथ सण्डे स्कुल ले जाया करती थी। अन्तिम व्यक्ति जिसके साथ मैं रहना चाहता था वह लगातार आराधना में जाने वाली थी परन्तु मैंने उसके साथ लगातार बाहर जाने का निर्णय कर लिया। कुछ दो वर्षों के बाद, वकालत की योग्यता पाने के बाद हमने शादी कर ली।

हम कलिसिया में विवाह करना नहीं चाहते थे इसी कारण हमारा विवाह आसानी से नहीं हो सका। एंगलिकण पादरी ने मुझसे कहा था कि जब तक वह मुझे मसीही विश्वास के बारे में दिशा निर्देश नहीं दे देता तब तक वह हमारा विवाह नहीं करा सकता। मैंने उसकी पहली पाली की शिक्षा में भाग लिया और उससे विवाद करना शुरू कर दिया, क्योंकि मैं ब्रेद्रेन कलिसिया से था और बाईबल के विषय में अलग समझ रखता था।

अन्ततः उसने विवाद छोड़कर हमारा विवाह कराने के लिए राजी हो गया।

हमारी शादी के कुछ ही दिनों के बाद उनचास वर्षसीय मेरी मॉ की अचानक मृत्यु हो गयी जो ईश्वर की भक्तीनी थी। वह मेरे लिए वर्षों से प्रार्थना कर रही थी। उन प्रार्थनाओं का फल देखने के लिए वह जीवित नहीं रह पायी, परन्तु परमेश्वर ने अपने समय में उसके प्रार्थनाओं का उत्तर दिया।

मैं लंबे समयों तक अपने वकालत के कार्य को करता रहा ताकि अच्छे से अपने आप को इस कार्य के लिए तैयार कर सकुँ। उनदिनों में अपने सेवा कार्य को फैलाने के लिए एस्तेहार देना या लगाना मना था,

इसलिए चर्चित होने के लिए मैं उन हर समुदाय से जुड़ गया जहॉ कहीं लोग मुझे चाहते थे।

मैं स्कुल की समिति, कलिसियों की समिति, परिषद् की समितयों में और अन्य संस्थाओं से जुड़ गया जहॉ के लोग मुझे चाहते थे। लोग मुझसे अक्सर पुछा करते, जीने के लिए मैं क्या करता हुॅ? और जब इसका उत्तर देता कि मैं वकील हुॅ तो मुझे बहुधा नये–नये मुवक्किलें मिल जाया करता था।

कुछ वर्षों के बाद एक बिल्डर के साथ मिलकर मैंने युनिर्भसल होम्स् नामक एक कम्पनी शुरू किया जो काफी सफल रहा और कुछ वर्षों के पश्चात् मैंने अपने पार्टनर को खरीद लिया।

अध्याय – 4

मण्डली

मैं एंगलिकन कलिसिया में जाना शुरू किया और कलिसिया की कई समितियों के साथ साथ साइनोड जो औकलैण्ड डायोसिस की कार्यकारी समिति है की भी सेवा किया। अधिकाशतः सभी स्थानिय कलिसियाओं के पास्टरों और एल्डरों की समिति का मैं सभापति बन गया। इन सभाओं में मैंने एक बात पर ध्यान दिया कि एक पास्टर अधिक बातें नहीं करता, परन्तु जब वह बात करता, बड़ी बुद्धि की बातें किया करता था। एक रात सभा के बाद वह नहीं गया और मुझसे कहने लगा– ''बिल जबतक तुम नया जन्म नहीं पाओगे, बाईबल नही समझ पाओगे।'' इतना कहने के बाद वह पीछे की ओर मुड़ा और चला गया। मैं उसका आलोचना को कभी भी नहीं भुल पाया। मैं औंकलैण्ड डायोसिस के एंगलिकन कलिसिया के परिचायक समिति का सभापति बन गया था। इस समिति की यह भी जिम्दारी थी कि लोंगों को उत्साहित करें कि वे कलिसिया में अधिक से अधिक धन दे सके। एक दिन मुझे एक पत्र मिला जिसमें लिखा था कि मैं गलत तरीके से इस विषय में जा रहा हुॅ। पत्र कह रहा था कि मुझे नया जन्म पाना और

पवित्र आत्मा का सामर्थ पाना जरूरी है। तब ही परमेश्वर की बुद्धि मेरे पास होगाी कि कैसे लोंगों को धन देने के लिए उत्साहित करना है। मैंने पत्र को बगल में रख दिया।

हमारे विवाह के शुरूआती दिनों में चार बच्चे हुए। युनिवर्सल होम्स् काफी तरक्की कर रहा था और मैं अपने आर्थिक लक्ष्य की ओर पहुॅच रहा था। जल्द ही मेरे पास रोल्स रोयसे कार, सुन्दर नाव, समुद्र के किनारे घर इसके साथ ही शहर में एक सुन्दर बड़ा घर था।

मैं एक अच्छे क्लब का सदस्य और जाने माने स्थानीय राजनैतिक संस्था का सभापति था। बीस वर्षों के दरम्यिान इसके सभी उम्मीदवार स्थानीय समिति के लिए चुने जाते थे जिसे वे नियंत्रित करते थे।

पैट और मैं लगातार कलिसिया जाया करता था परन्तु यीशु के साथ मेरा कोई व्यक्तिगत सम्बंध नहीं था। हमने काफी यात्राएॅ की और अधितर संसार को देख लिया था।

इसी दौरान बिली ग्राहम न्युजिलैंण्ड में आया और मैं उनके एक सभा में गया। जब उसने उन लोगों को बुलाया जो अपना जीवन लोंगों के सामने यीशु को देना चाहते हैं तो मैं इस बात पर विश्वास नही किया क्योंकि

मैं तो पहले से ही कलिसिया में जाया करता था। इसलिए मैंने उस बुलाहट को प्रतिकार किया यद्पि ह्रदय के गहराई में लग रहा था मुझे जाना चाहिए।

छः वर्षों के बाद वह दुबारा आया और उसी प्रकार की सभा में फिर से मैंने आगे आने की बुलाहट का प्रतिकार किया। मैंने अपने चारों ओर के लोंगों को देखा जो मेरे साथ थे, उनमें से कई जो हमारी कलिसिया के थे, मैंने अपने मन में सोंचने लगा – ''ये लोग क्या सोचगें यदि बिल सब्रीजकी आगे जाएगा।''

घमंड मुझे रोक रखा था। एक बार फिर से मैंने परमेश्वर के दिये मौके को खो दिया। यीशु नंगा होकर क्रुस पर मेरे लिए मरते हुए नहीं लजाया परन्तु मुझे लोंगों के सामने उसे स्वीकार करते हुए शर्म आ रही थी।

अध्याय – 5

परिवार

मेरा सम्बंध अपने बच्चों के साथ उत्तम नहीं था। सोलह साल की आयु में पॉल मुझसे विवाद करने लगा और मुझे धक्का देकर फर्श पर गिरा दिया। मैंने सोचा – ''मैं

तुम्हें ठीक करूगा।'' मैंने उसका नामांकन एक कोर्स के लिए करा दिया जिसका नाम ''आउटवार्ड बॉड'' था। यह कोर्स नवयुवकों को उत्साहित करने के लिए तैयार किया गया था कि वे न्युजिलैंण्ड के दक्षिण आइलैण्ड में बाहरी कार्य के द्वारा अपने मन और शरीर को दृढ़ और बलबंत करें। यह कोर्स छः सप्ताह का था जिसके दौरान हर एक भाग लेने वाले पहाड़ों पर चढ़ते, घने झाड़ियों से पैदल चलते और आपत्त्िपुर्ण समानों को कुशलता के साथ उठाकर ले जाते थे। मैंने सोंचा इसके द्वारा पॉल अनुशासन और अपनी जीवन की जिम्मेदारी को सिखेगा। मैं रेलवे स्टेशन पर उसके वापस आने के समय उससे मिला। जैसे ही उसने अपना मुँह मुझे अभिवादन करने के लिए खोला, मैंने देखा कि वह और ही कठोर हो गया और कि वह दुर्बल और नीच हो गया। यह कोर्स उसे बदलने में मदद नहीं कर पाया।

वह कुछ महिनों के बाद सेकेण्डरी स्कुल पुरा कर लिया और कहने लगा कि वह अधिवक्ता बनने जा रहा है। इसलिए मैंने उसे ऑकलैण्ड महाविद्यालय में नामांकन कराने के लिए उत्साहित किया। उसने कहा कि वह वहॉ नहीं जा रहा, बल्कि ओटैगो महाविद्यालय में जा रहा है जो देश के अन्तिम छोर पर है। मैंने उससे पुछा वह क्यों ऐसा करना चाहता था। उसने कहा – '' आप

से जितना दूर हो सके जाना चाहता हुॅ।'' बेटे के साथ मेरा कैसा सम्बंध है !

मेरी बेटी जैने भी ऑटेगो महाविद्यालय में चली गयी। अब दोनों परमेश्वर से अच्छे–खासे दूर थे।

मेरे और पैट के बीच का बर्तालाप भी दूषित हो चला था। मैंने उससे कह दिया था कि जब बच्चे बड़े हो जाएगें, उसे छोड़कर चला जाउॅगा।

जो भी हो, हमारी शादी अभी टुटी नहीं थीं।

अध्याय – 6

बदलाव का समय

एक दिन संध्या के समय हमारी बेटी मारिया जो प्रन्द्रह वर्ष की थी बाहर जाते समय कहने लगी – ''पापा आज शाम अपको मेरे साथ चलकर उस व्यक्ति की बातों को सुनना चाहिए जो आज हमारी कलिसिया में प्रचार करने वाला है।'' अन्य दिनों की तरह ही मैं अखबार में ध्यान लगाये हुए था। मेरे व्यापार की सफलता सरकार की पॉलिसी पर निर्भर था इसलिए मैं अखबार पढ़ने में अधिक से अधिक समय बिताया करता था। मैंने मारिया को कोई उत्तर नहीं दिया।

दो घंटों के बाद मारिया घर वापस लौट आयी। अभी तक मैं अपना अखबार पढ़ रहा था। जैसे ही वह दरवाजे के अन्दर आयी, कहने लगी, – '' पापा, आज आपको वहॉ होना चाहिए था।'' मैंने अपना सिर उठाया और उसकी ओर गुरार्या। फिर वह कहने लगी, – ''पापा, वह करोड़पति था।'' तब उसने मेरा पुरा ध्यान अपनी ओर खींच ली। मैं हमेशा ऐसे लोंगों में रूचि लेता था जो अधिक से अधिक पैसा कमाता हो क्योंकि मेरे भी जीवन का प्रारम्भिक लक्ष्य पैसा कमाना था।

मैंने उससे पुछा, '' वह कैसे इतना पैसा कमाया?'' उसने जबाब दी, ''पेरू पक्षी बेचने के द्वारा।'' वह अमेरिकन था। मैं अपने आप में सोचने लगा, ''एक मिलियन डॉलर कमाने के लिए कितना पेरू पक्षी बेचना होगा।''

फिर मारिया कहने लगी, '' पापा, वह अन्य भाषा में भी बातें करता था।'' मेरा जबाब था, '' शायद वह अन्य भाषा बोलने वाला पेरू पक्षी करोड़पति होगा।'' उसके बात का मुझपर उतना प्रभाव नहीं पड़ा। उन दिनों में मैं सोचता था कि अन्य भाषा बोलना शैतान की ओर से होता है।

कुछ दिनों के बाद एक दवा बेचने वाला दोस्त कहने लगा, उनकी कलिसिया मेरे लिए प्रार्थना कर रही है। फिर सेवेन्थ डे एडभेन्टीस के सदस्य जो मेरा मुवक्लि था कहने लगा, उनकी कलिसिया भी मेरे लिए प्रार्थना कर रही है। ये सारी बातें मुझे परेशान करने लगी। मैं उनकी प्रार्थना नहीं चाहता था जैसा कि मैं सोचा सब ठीक है। फिर भी, मैं अन्दर ही अन्दर अपने जीवन से संतुष्ट नहीं था और कुछ बातें मुझे बेकार लग रही थी।

मेरे और पैट की बीच की दूरियॉ बढ रही थी और हमारा वर्तालाप पहले से ज्यादा दूषित हो गया था।

अध्याय – 7

परमेश्वर कार्य करता है।

मुझे इसके कुछ ही दिनों के बाद एंगलिकन कलिसिया की ओर से कलिसिया के मिंटीग में आने का आमंत्रण मिला। इस आमंत्रण को अस्वीकार करना मेरे लिए कठिन था क्योंकि मैं स्थानीय कलिसिया के समुह के समिति का सभापति था। वक्ता अन्य देशों से बुलाया गया महत्वपुर्ण प्रचारक था। मैंने जाने का निर्णय लिया।

मैं जो कुछ वहॉ हुआ उसके लिए तैयार नहीं था। मिटींग प्रार्थना और आराधना से शुरू हुआ। तब प्रचारक बिमार लोंगों के लिए प्रार्थना करना शुरू कर दिया, मैं आश्चर्यचकित हो गया। अब तक मैं यही जानता था कि मेरा पादरी सामान्य तौर से एक ही बार सब के लिए प्रार्थना करता था। प्रचारक मिटींग में आये लोगों के समस्या को बताने लगा और जिसे प्रार्थना की आवश्यकता थी उसे आगे बुलाने लगा। एक महिला उसके बुलाहट के प्रतिउत्तर में उठकर आगे आयी जिसके पैर में गठिया का दर्द था और वह बहुत ही दिक्कत से चल पाती थी।

प्रचारक ने अधिकार के साथ उँचे स्वर में गठिया के आत्मा को आज्ञा दिया कि वह स्त्री को छोड़कर चले जाए और उसने अपना हाथ स्त्री के उपर रखकर परमेश्वर से कहा कि उसे चंगा करे। मैंने गठिया की आत्मा के बिषय में कभी नहीं सुना था। प्रार्थना समाप्त होते ही स्त्री अपना हाथ उपर उठाकर चिल्लाते हुए नीचे की ओर दौड़ी, ''मैं चंगी हो गयी हुँ।'' वह पुरी रिति से बदल चुकी थी और चंगा होने के हर एक प्रमाण को दिखाने लगी। ये बातें मुझे अचम्भा में डाल दिया क्योंकि मैंने कभी भी नहीं देखा था कि परमेश्वर इस प्रकार से लोंगो को चंगा करता है।

प्रचारक इसके बाद कई और लोंगो की चंगाई के लिए प्रार्थना किया। उनमें से कईयों ने अपने शरीर में हुए बड़े परिवर्तन को देख रहा था। इसके बाद वह संदेश प्रचार करना शुरू किया। परन्तु, मैंने इस बात पर गौर नहीं किया कि वह क्या प्रचार कर रहा है। जो भी हो वह काफी खुश नजर आ रहा था और जो उसके पास आन्नद था उसे मैं नहीं समझ सका। मैं बचपन से ब्रेद्रेन कलिसिया के लोगों को जैसा देख रहा था मेरे विचार में एक समर्पित मसीही व्यक्ति उनके समान ही था जो हमेशा गम्भीर आचरण वाला और थोड़ा आन्नद हो। जब

प्रचारक ने कहा कि वह गॉल्फ और टेनिस खेलता है तो मैं उसे पसन्द करने लगा।

संदेश के अन्त में उसने उन लोंगो को सामने बुलाया जो यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करना चाहते थे। ये बात मेरे मन में नहीं आया कि मैं उसके बुलाहट का प्रतिउत्तर दुँ क्योंकि मैं तो ऑकलैण्ड के अंगलिकन डायोसिस के भंडारी समिति का सभापति था। मैंने कई कलिसियों के महत्वपुर्ण समितियों की सेवा की थी, अपने बिशप का सलाहकार था और कलिसिया के कई महत्वपुर्ण क्रियाकलापों में सम्मिलित था।

जो भी हो, मैं यीशु के नाम लेने से लजाता था। कभी कभार जब लोग मेरी आलोचना करते कि मैं मसीही हुँ तो अन्दर ही अन्दर मैं डोल जाता था क्योंकि परमेश्वर की सामर्थ मेरे अन्दर नहीं थी।

प्रचारक ने कहा कि वह संदेश के अन्त में बिमारियों के लिए प्रार्थना करेगा। हम दोनों के यानी पैट और मुझे पानी और बर्फ में चलने के कारण घुटनों में परेशानी हो रही थी। गठिये वाली स्त्री के परिणाम को देखने के कारण पैट को उत्साहित करने के लिए मैंने हिम्मत जुटाई कि हम दोनों चंगाई के लिए प्रार्थना करवाएँगें।

पैट इसके लिए सहमत हो गयी। मैं अपने घमण्ड के कारण से जब अन्य लोग वहॉ थे चंगाई के प्रार्थना करवान के लिए तैयार नहीं था इसलिए हम उस समय का इंतजार करते रहे जबतक प्रचारक सबों के लिए प्रार्थना करना समाप्त न कर लें। दो बज चुके थे अब केवल प्रचारक, पास्टर और हम दोनों पैट और मैं ही स्टेज पर बच गये थे। प्रचारक ने मुझसे पुछा, '' भाई मैं आपके लिए क्या कर सकता हुॅ?'' ''भाई'' कहना मुझे अच्छा नहीं लगा क्योंकि मेरी कलिसिया में ऐसा नहीं कहा जाता था। वह इग्लैंड से था। फिर मैंने अपने घुटने की समस्या के बारे में बिस्तार से बताया। वह बहुत ही ध्यान से सुनने के बाद कहा, ''भाई यदि आप घुटने में ज्यादा समय बिताएगें तो घुटने की समस्या कम हो जाएगी।'' उसकी बात मेरे दिमाग में घुसने में एक से दो मिनट लग गये, तब मुझे समझ में आया कि मुझे अधिक समय प्रार्थना में बिताने के लिए कह रहा है।

न्युजिलैंड में सधारणतया इगलैंण्ड के लोंगो को 'पोम' कहकर सम्बोधित करते हैं। मैं अपने मन में विचार करने लगा, ''तुम गोरे पोम''। जो भी हो, मैंने उसे अपने लिए प्रार्थना करने दिया। इसके बाद वह पैट के लिए प्रार्थना किया। दुसरे दिन हमें मालुम हुआ कि हम चंगे हो गये

हैं। इतना होना मेरे लिए काफी था कि फिर से मैं उसके बात को सुनुँ। मुझे मालुम हुआ कि आने वाली मंगलवार की रात को वह हैमिल्टन शहर में प्रचार करने वाला है जो ऑकलैण्ड से लगभग 120 किलोमीटर दूर था।

अध्याय – 8

मैं बंधा हुॅ

आने वाली मंगलवार की रात को, रात का खाना मैं जल्दी ही खा लिया और अपने कार की ओर जाने लगा जो बाहर निकलने के रास्ते पर खड़ा था। उसी वक्त मैंने देखा कि पैट भी अपने कार की ओर जा रही थी। हमारे बीच वर्तालाप बहुत कम ही होता था फिर भी पैट मुझ से पुछने लगी, ''तुम कहॉ जा रहे हो?'' मैंने कहा, ''हैमिल्टन''। वह कहने लगी, '' मैं भी वही जा रही हुॅ।'' इसके बाद वह मेरे कार में बैठ गयी और हम एक साथ वहॉ गये। मिटींग एक बहुत बड़े हॉल में रखा गया था जहॉ बहुत सारे लोग उपस्थित थे। फिर से प्रचारक ने खास शारिरिक परिस्थिति के बारे में विस्तार से बताया जो व्यक्ति बिशेष से जुड़ा था और काफी लोग आगे की ओर प्रार्थना के लिए आये। वहॉ बड़े चंगाई के काम हो रहे थे जिसे मैं इनकार नहीं कर सका कि परमेश्वर की सामर्थ को देख रहा था।

प्रचारक ने संदेश प्रचार किया और जो लोग अपना जीवन प्रभु यीशु को देना चाहते थे उसे आगे बुलाया। इसबार फिर मैंने निर्णय लिया कि आगे जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मैं कलिसिया तो पहले से जाया

करता था और महत्वपुर्ण कार्यों के लिए दफतर लगाया करता था। मुझे जो बुलाहट दिया गया उसे मैं नहीं समझ सका।

घर लौटते वक्त अपने हृदय में आने वाली मिटींग में जाने की इच्छा हुई जो अगले रात फिर से उसी हॉल में होने वाली थी। मैंने सावधानी पुर्वक पैट से पुछा यदि वह आने वाली मिटींग में आने के लिए तैयार रहेगी और उसने तुरंत जवाब दी, ''हॉ''।

क्योंकि अभी स्कुल और महाविद्यालय के छुट्टी का समय था और हमारे चारों बच्चे घर में ही रहते थे।

आनेवाली रात को हम सभी छः लोग एक साथ मिटींग में गये। फिर प्रचारक ने लोंगों को चंगाई के लिए आगे बुलाया और वहॉ कुछ आश्चर्यजनक चंगाईयॉ हुई। तब उसने, अपना जीवन यीशु को सम्पुर्ण रिति से समर्पण करने के लिए उत्साहित वचन दिया। वचन समाप्त करने के बाद उनलोंगों को हाथ उठाने के लिए कहा जो अपना जीवन यीशु को समर्पित करना चाहते हैं।

वह लंबे समय तक लोंगों को ऐसा करने के लिए बुलाता रहा। इतना लंबा कि मुझे खराब सा लगने लगा और यह इच्छा होने लगाी कि अभी वह लोंगों को

बुलाना बन्द करें। वह मेरे समान लोंगों के बिषय में समझा रहा था जिसे उत्तर देना है।

मैंने अपने अन्दर महसुस किया कि आगे जाने की इच्छा बढ़ रही है जैसे कि कई साल पहले बिली ग्रहम के मिटींग में हुई थी। यह इच्छा अन्दर ही अन्दर बहुत बढ़ने लगी। मैं मिटींग से बाहर निकल जाना चाहता था परन्तु एक ओर मेरे परिवार के लोग थे और दुसरी तरफ दिवार था। जैसाकि मैंने इच्छा को अधिक बढते हुए महसुस किया, मैं जानता था कि अब लंबे समय तक इसे नहीं रोक सकता। मेरे जीवन के अन्दर खालीपन था जिसे मैं अच्छी तरह से जानता था। तब प्रचारक ने अन्तिम बार कहा, ''सभी लोग अपना ऑख बन्द करें और सिर झुकाएँ, यदि और कोई व्यक्ति है जो अपना जीवन यीशु को समर्पित करना चाहते हैं, कृपया हाथ उठाएँ।

अब मैं अपने आप को किसी भी तरह से रोक नहीं सका।

परमेश्वर को जीवन समर्पण करने की इच्छा हृदय में अति प्रबल हो गयी और ऐसा लगने लगा कि यदि मैं समर्पण न करू तो ब्लास्ट हो जाउॅगा। मैं अपने चारों ओर देखने लगा कि सारी ऑखे बन्द हैं और सारे सिर

झुके हुए हैं या नहीं। तब मैं अपने हाथ को झट से उपर उठाकर निचे कर लिया ताकि कोई नहीं देखें। किन्तु परमेश्वर ने इसे देख लिया।

तब मैंने देखा कि पैट और मेरे परिवार के सभी सदस्य अपने हाथों को उठाये हुए है।

प्रचारक ने उन सबों को, जिन्होंने हाथ उपर उठाया था आगे बुलाया। मैंने ऐसा कभी नहीं सोंचा था, अब खेल आगे हो चुका था। अब मुझे लोंगों के सामने खड़े होकर प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करना पड़ा। बाईबिल बताती है कि यदि हम यीशु को मुँह से अंगीकार कर, हृदय में विश्वास करें तो हमारा उद्धार होगा। उस रात, जब मैंने यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया, मेरे जीवन में कुछ काम होना शुरू हो गया।

प्रचारक प्रार्थना समाप्त करने के बाद कहने लगा, यदि कोई पवित्र आत्मा में बपतिस्मा और अन्य भाषा बोलने का वरदान पाना चाहते हैं तो बगल में जाकर प्रार्थना करवॉएं। यह मेरे लिए नहीं था। मैंने इस बात पर विश्वास नहीं किया कि अन्य भाषा का वरदान आज के लिए है। जिन्होंने ऐसा किया था उनकी मैं आलोचना करने लगा।

तब मारिया मेरे तरफ मुड़ी और कहने लगी, '' पापा आपको यह जरूरत है।'' मैं नहीं जानता था कि कुछ दिन पहले मारिया अपने कमरे में जाकर, अपने घुटने में आकर प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण ली थी। वह अन्य भाषा भी बोलती थी।

मारिया से मैं बहुत प्रेम करता था और उसके बातों को मैं इनकार नहीं कर पाया। जब उसने मुझे इस वरदान को ग्रहण करने के लिए उत्साहित की तो मैं एक तरह अन्य लोंगों के साथ चला गया। पैट और बाकी सारे परिवार के लोग पीछे –पीछे आ गये।

वहॉ लगभग चालीस लोग थे और उनमें से अधिकांशतः औरतें थी। जब प्रचारक ने उन लोंगों के लिए प्रार्थना करना शुरू किया, कुछ लोग अजीब आवाज निकालने लगे और गिर गये, और कुछ लोग रोने लगे। मैं वहॉ से भाग जाना चाहता था परन्तु मारिया मुझे देख रही थी। दुसरी बात जो हुई वह यह थी कि प्रचारक मेरे सिर पर हाथ रखकर कहने लगा, '' भाई अपना मुॅह खोलो और बोलो।'' जब मैंने ऐसा किया मेरे मुख से अजीब भाषा निकलने लगी। मैं अचेत सा हो गया। प्रचारक जोर से चिल्लाया, ''हालेल्लुयाह'' और हवा में उछलने लगा।

उसने शायद यह सोंचा होगा कि परमेश्वर ने न्युजिलैंण्ड के सबसे कठिन सुपारी को तोड़ दिया है।

अध्याय – 9

नया जन्म

उस रात जब वापस घर जा रहा था मैं काफी घबराया हुआ सा था। किन्तु अगले सुबह जब मैंने अपने कमरे के खिड़की से बाहर देखा, तो जो मैं देख रहा था उस पर विश्वास नहीं हुआ। इतने हरे–हरे घास, इतने सुन्दर पेंड़ और चिड़ियों को इस प्रकार गाते हुए पहले कभी नहीं देखा था।

कार्यालय जाते वक्त जब मैंने निले आकाश को देखा तो अहसास हुआ कि मैं पृथ्वी को नये आखों से देख रहा हुॅ। मैंने महसुस किया कि नया जन्म पा लिया हुॅ। मैंने अनुभव किया कि परमेश्वर ने मेरे प्राण को कैदखाना से बाहर निकाल दिया है। परमेश्वर की उपस्थिति से गाड़ी भर गई।

जल्द ही मैं अपने अनुभवों को दुसरों से बताना चाहता था। जब मैं कार्यालय जानेवाली एलीवेटर में गया, चारों ओर देखकर सोचने लगा कि किसे अपना अनुभव

बताउॅ। वहॉ पर एक दुसरा वकील था जो मेरे साथ मिलकर कई कलिसियाओं की समिति में काम करता था। मैं आशा लगाए था कि सारे लोग अन्य मंजिल में कब जाएगें कि हम वहॉ अकेले होगें। अन्त में केवल हम दोंनों ही एलिवेटर में बच गये। मैंने कहा, '' रॉन मैं तुम्हें बताना चाहता हुॅ कि मैंने नया जन्म पा लिया और अन्य भाषा भी बोलता हुॅ।'' वह आश्चर्यचकित होकर मुझे देखने लगा। जब एलिवेटर उसके मंजिल पर पहुॅचा, बिना मुझे देखे ही एलिवेटर से बाहर निकल गया।

मैं अपने अनुभवों को दुसरों से पहली बार में स्पष्ट रिति से नहीं बता पा रहा था। फिर भी मैंने अपने दो मुख्य कानुनी सहयोगी से बात करने का निर्णय लिया। मैंने उन्हें अपने कार्यालय में बुलाकर सारी बातों को बता दिया कि कैसे मुझे नया जन्म और अन्य भाषा का वरदान मिला। उन्होंने एक दुसरे को देखा, कुछ बात नहीं किया परन्तु दुसरे कार्यालय के बरामदे में चले गये और एक दुसरे से परामर्श करने लगे। स्पष्ट रूप से उन्होंने निर्णय लिया कि कुछ न कुछ मेरे साथ गरबड़ है।

अब मैं अपने जीवन में यीशु मसीह की वास्तविकता को जान गया था। मैं जानता था कि उससे प्रार्थना कर सकता हुँ और वह मेरी सुन सकता है। मैं पहली बार अपने जीवन में परमेश्वर से भरोसे के साथ प्रार्थना कर सका। वह सच्चा था।

मैं अपने कार्यालय के दरवाजे को बन्द कर घुटने मे जाकर परमेश्वर से कहा, – ''कृपया मेरे समान ही मेरे कानुनी सहयोगीयों के जीवन में भी काम कर और तुमने तो कैथोलिक के जीवन में अच्छा शुरूआत किया है उसके लिए आसान होगा। (परमेश्वर को मदद करने की बात) मैं अपने कानुनी सहयोगी टेरि वे को जानता था कि वह बहुत ही खुला दिल का आदमी है इसलिए सोंचा कि वह जरूर सुनेगा।

एक हप्ते के बाद वह मेरे कार्यालय में आया और कहा कि उसे कैथालिक कैरेस्मेटिक प्रार्थना सभा में जाने का निमंत्रण मिला है। मैंने वहॉ जाने के लिए उससे निवेदन किया।

छः हप्तों के बाद सुबह – सुबह वह मेरे कार्यालय में दौड़ते हुए, यह बताने के लिए आया कि उसने नया जन्म पा लिया है और अन्य भाषा में बातें करता है। अब हम दो लोग हो गये थे। मैंने बाईबल में पढ़ा था कि

यदि कोई दो व्यक्ति पृथ्वी पर एक मन होकर कुछ भी छुएंगे और परमेंश्वर के इच्छा अनुसार प्रार्थना करेंगें तो वह स्वर्ग में पुरा हो जाएगा।

हम अब एक साथ मिलकर अपने बरिष्ट कानुनी सहयोगी मॉरिस टेटलि जोंस के लिए प्रार्थना करने लगे।

मैं युनिवर्सल होम्स में प्रार्थना सभा रखने लगा और बहुत सारे कार्यकर्ता लोग भाग लेने लगे। हमने उन्हें जो हमसे घर खरीदते थे बता दिया कि हम मसीही कम्पनी हैं। इसका मतलब था कि हमें उच्च स्तर की ईमानदारी रखनी थी। हमने अपने सभी खरीदकर्ता को बाईबल दिया। दस वर्षों में कम्पनी काफी सफल हो गयी।

अध्याय – 10

बदला परिवार

यीशु मसीह को जीवन देने के बाद जो सबसे महत्वपुर्ण घटना हुई कि हमारा विवाहित जीवन सम्पुर्ण रिति से बदल गया। एक दुसरे पर का खोया हुआ भरोसा वापस आ गया और पैंतीस बर्षों में अभी तक कोई बड़ा मतभेद नहीं हुआ। मैं पैट के लिए सदा परमेश्वर का धन्यवाद करता हुँ और परमेश्वर का धन्यवादी हुँ कि कोई अन्य पुरूष उसे नहीं ले गया।

हमारे बच्चों के बीच का सम्बन्ध भी ठीक हो गया। पॉल का जीवन भी अचानक बदल गया और परमेश्वर का सच्चा बेटा बन गया।

अब वह न्युजिलैंड में 'प्रोमिस कीपर' को चलाता है, यह एक ऐसी संस्था है जो लोगों को परमेश्वर का जन होने के लिए उत्साहित करता है। बिते ग्यारह वर्षों के दरमियान पचास हजार लोंगों ने प्रोमिस कीपर के सम्मेलनों में भाग लिया और इसके परिणाम स्वरूप हजारों टुटे हुए परिवार फिर से जुड़कर एक हो गये हैं।

हमारा बेटा जॉन 'प्रोमिस कीपर' का निर्देशक है और प्रभु में बहुत ही बलवंत है।

हमारे चारों बेटे ने अच्छा किया और अपने विवाहित जीवन को अच्छे से चला रहे हैं। हमारे सोलह पोते – पोतियॉ है और इतने बड़े हो गये हैं कि यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण कर चुके हैं। हर महिना परिवारिक भोजन होता हैं और सभी लोग भाग लेते हैं। सामान्य रूप से 26 लोग जमा होते हैं।

यदि यीशु मसीह हमारे परिवार के व्यक्तिगत उद्धारकर्ता और प्रभु न होते तो इन में से कोई भी बातें हमारे परिवार में नहीं होती।

अध्याय – 11

यीशु के लिए गवाही देना

यीशु में नया जन्म पाने के एक सप्ताह के अन्दर पैट और मैं अपने घर में प्रार्थना सभा शुरू करने का निर्णय ले लिया। पहली सभा में पॉच लोंगों ने भाग लिया। इसके बाद लोंगों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी। जब एक साथ मिलकर हम सभी प्रार्थना करने लगे तो परमेश्वर की बड़ी सामर्थ प्रकट होने लगी। हम इन सभाओं को सप्ताह में एक दिन आठ वर्षों तक चलाते रहें।

हमारे पास बहुत बड़ा घर था। हमने दो सौ कुर्सियॉ लाकर उसमे लगाया और एक टेलिविजन लगाया ताकि हर कोई देख सके कि यहॉ क्या हो रहा है। हमने पवित्र आत्मा के वरदान के बारे में सीखना शुरू किया, जैसे कि दुष्ट आत्मा को भगाना, आत्माओं की परख करना, विश्वास, चंगाई, आश्चर्यकर्म, भविष्यवाणी, अन्य भाषा का संदेश, अन्य भाषा का अनुवाद, बुद्धि और ज्ञान का वचन। हमने पवित्र आत्मा के अभिषेक के बारे में सीखा जो परमेश्वर के उपस्थिति का प्रकटीकरण है।

जब लोग चंगाई और उद्धार पाने लगे तब मिटिंग और भी चर्चित हो गयी। हमने कुछ बड़े चंगाई की आश्चर्यकर्म को भी देखा।

आठ वर्षों में हजारों हजार लोंगों ने मिटिंग में भाग लिया और हजारों लोंगों ने यीशु को अपना उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया।

पैट और मैं प्रचारक के रूप में मिटिंग करना शुरू किया। हमने संसार के कई देशों के सैकड़ों सभाओं में प्रचार किया और हजारों हजार लोंगों ने यीशु को अपना उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया।

हमारे घर में आने वाले कई अतिथियों ने बताया कि यहॉ पर चारों ओर बिशेष प्रकार की शांति है। हम जानते हैं कि यह परमेश्वर की उपस्थिति है।

हमने पवित्र आत्मा के अभिषेक और सामर्थ के नीचे एक साथ मिलकर एक लय में काम किया।

हमारा अन्य मुख्य कानुनी साथी, मौरीस टेटले जोन्स मिंटीगं में भाग लिया। कुछ दिनों के बाद उसने भी घुटने टेक कर यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया।

अब हम मसीही कानुनी अभ्यास करने लगे। बहुत सारे लोंगों ने, जो विवाह की परिवारिक समस्याओं से गुजर रहे थे सलाह के लिए आने लगे और उनका विवाहित परिवार टुटने से बच गया।

सन् 1971 के 10 मार्च को जब मैंने यीशु के पीछे चलने का निर्णय लिया, उस बक्त मैंने ठान लिया कि 180 डिग्री अन्धकार से प्रकाश की ओर और शैतान के सामर्थ की ओर से परमेश्वर की सामर्थ की ओर मुझे मुड़ना है। मैंने पाया है कि बहुत सारे लोग अपने पापों से पुर्ण रूप से नहीं फिरने के फलस्वरूप अभी भी अपने जीवन में बहुत सारे परेशानियों और संघर्षो से गुजर रहे है।

हम जब पुर्ण रूप से पापों से मुड़ने का निर्णय लेते है तब पाप की शक्ति की पकड़ हमारे जीवन पर से ढीली हो जाती है। और पवित्र आत्मा के सहायता के द्वारा हम परमेश्वर को भाने वाली जीवन जीने में सक्षम हो जाते हैं। जब हम ऐसा करते हैं तो परमेश्वर की शांति हमारे जीवन में भर जाती है।

बाईबल बताती है कि पाप की मजदुरी तो मृत्यु है पर परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अन्नत जीवन है।

अध्याय 12

परमेश्वर का आश्चर्यकर्म

बिते पैंतीस बर्षों से मैंने अपने जीवन में प्रत्येक दिन परमेश्वर की उपस्थिति को जाना है। और एक बार फिर से परमेश्वर के बड़े आश्चर्यकर्म को प्रार्थना के प्रतिउत्तर में देखा है।

बीस वर्ष पहले जब मैंने अपना कम्पनी बेचने का निर्णय लिया, उस वक्त परमेश्वर ने अच्छी कीमत देने वाला खरीददार का उपाय कर दिया। इसने हमें सेविकाई को आगे बढाने में सक्षम किया, जिसमें हम लोंगों के आर्थिक सहायता के बिना भी शामिल हैं। हम बहुत सारे देशों और शहरों में जाकर सेविकाई करने में सक्षम रहे हैं जहॉ हमें आमंत्रित करने वाले लोग हमारी यात्रा खर्च और अन्य खर्च उठाने में असमर्थ रहें हैं।

सन् 1987 में, विश्व स्तरीय शेयर बाजार लुढकने के ठीक दस दिन पहले, जब मैं न्युजीलैंण्ड के उतरी ऑकलैण्ड के एक छोटे समुदाय के लिए संदेश तैयार कर रहा था तब मैंने परमेश्वर की आवाज को सुना। संदेश युहन्ना रचित सुसमाचार के दसवें अध्याय पर आधारित था जहॉ यीशु कहते हैं – ''मेरी भेड़ें मेरी आवाज सुनती है''। परमेश्वर की आवाज ने मुझसे कहा

कि तुम अपने सारे शेयरों को शेयर बाजार में बेच दो। यदि मैं इस आवाज को न सुना होता तो शायद आज अपना सबकुछ खो दिया होता।

जब मेरे पिता सतहत्तर वर्ष के थे, तो वे भयंकर बिमार थे। डॉक्टरों ने उनके जीने की उम्मीद खो दी थी। वे अचेतन अवस्था में चले गये और उनका फेफड़ा और किडनी काम करना बन्द कर दिया था।

मैं अपने आप में सोचने लगा – ''मेरे पिता ने अच्छा–खासा जीवन जी लिया है और शायद अब उनको मरने का समय आ गया है''। कुछ दिनों के बाद, मैंने ऐसा महसुस किया की परमेश्वर मुझसे कह रहे हैं कि मेरे पिता का उद्धार अभी तक नहीं हुआ है क्यों कि कई वर्ष पहले वे परमेश्वर से बहुत दुर चले गये थे। परमेश्वर की ओर से ऐसा सुनने के बाद प्रत्येक सुबह मैं उनके लिए आठ हप्तों तक प्रार्थना करता रहा और प्रत्येक दिन उनसे मिलने के लिए अस्पताल जाता रहा। डॉक्टर हरदम मुझसे कहता रहता कि वे नहीं बचगें।

एक सुबह, आठ हप्तों के बाद, जैसे ही मैं अस्पताल के बरामदे में घुसा कि परमेश्वर ने धीमी आवाज में मुझसे कहा कि उसने मेरे पिता को संपुर्ण रिति से चंगा कर

दिया है। उसने यह भी कहा कि सात वर्षों तक मेरे पिता जीवित रहेंगे।

जैसे ही मैं उनके कमरे तक पहुँचा, जहॉ मेरे पिता ठहरे हुए थे, डॉक्टर अपने ऑफिस से निकलकर बाहर आया और कहा– '' आइये और अपने पिता से मिलिए''। जब मैं कमरे के अन्दर गया, अचेतन अवस्था में पड़े हुए होने और बहुत सारे ट्यूब उनमें जुड़े होने के बजाय, मेरे पिता बिस्तर के एक तरफ पुरे होसो–हवास के साथ बैठे हुए थे। जैसे ही उन्होंने मुझे देखा, बिस्तर के नीचे कुद गये और मुझसे पुछने लगे– '' तुम कैसे हो बिल''? जैसा कि कुछ हुआ ही नहीं।

मैंने डॉक्टर से पुछा कि कैसे मेरे पिता ठीक हो गये। उसने कहा कि उन लोंगो ने उन्हें मरने के लिए उनके शरीर से सारे ट्यबों को निकाल दिया परन्तु अचानक वे ठीक हो गये।

उस समय मैंने अपना नाम ऑक्लैंण्ड के टेलिफोन के किताब से हटा दिया था। ऐसा मैंने इसलिए किया, क्योंकि बहुत सारे लोग प्रार्थना करने और बहुत सारे अन्य बातों के लिए मुझे बुलाया करते थे और मैं संभाल नहीं पाता था। तब मेरे पिताजी जो उसी जिले में रहते

थे और उनका नाम मेरे नाम से मिलता जुलता था, उनके पास टेलिफोन आने लगा।

तब मुझे पता चला कि वे लोंगों के लिए प्रार्थना करने लगे हैं और अपना जीवन यीशु को दे चुके हैं। उसके बाद अक्सर मैं वहॉ जाता और उनके लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना करता था। वे अच्छे स्वास्थ्य का आन्नद उठाने लगे।

सात साल के बाद, लगभग उसी दिन जब वे पहले चंगे हुए थे, जॉच के लिए अस्पताल गये। मुझे अच्छी तरह से याद है, सोमवार को दोपहर के समय मैं उनसे मिलने गया था। वे अपने बिस्तर के एक तरफ बैठे हुए थे और अपने दोनो पैर को हिलाते हुए मुझसे कह रहे थे कि वे अपने नौकरानी से विवाह करने के लिए सोच रहे हैं!

किन्तु, अगले सुबह तीन बजे अस्पताल से मुझे यह बताने के लिए टेलिफोन आया कि मेरे पिता बिस्तर पर बैठने के थोड़ी देर बाद रोने लगे और फिर अचानक उनकी मृत्यु हो गयी। परमेश्वर ने अपना वचन पहले कहे अनुसार पुरा किया!

सन् 1986 में वर्ल्ड वीजन के एक प्रतिनिधि के साथ, उनके कामों को देश के सूदुर वर्ती इलाके में भुख से

मरते लोंगों के बीच देखने को इथोपिया गया। हमने पहली रात देश की राजधानी अदिश आबाबा में गुजारी। यह देश अभी भी साम्यवादी राष्ट्र था जिसका अन्य देशों से बहुत ही कम संपर्क था।

इसे सिर्फ चमत्कार ही कहा सकता है, पैट ने बड़ी मुश्किल से यह कहने के लिए टेलिफोन किया कि हमारा बेटा जॉन इस रात शायद न बचे क्योंकि वह पेरिटोनाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती था। आप निश्चित हो सकते है कि मैंने घुटने में आकर इस बात के लिए प्रार्थना किया ।

उस रात परमेश्वर ने मुझे व्यवस्थाविवरण 33:26 और 27 पद दिया।

''हे यशुरून, ईश्वर के तुल्य और कोई नहीं है,

वह तेरी सहायता करने को आकाश पर ,

और अपना प्रताप दिखाता हुआ आकाशमण्डल पर

सवार होकर चलता है।

अनादि परमेश्वर तेरा गृहधाम है,

और नीचे सनातन भुजाएँ हैं।

वह शत्रुओं को तेरे सामने से निकाल देता,

और कहता है, उनको सत्यानाश कर दे।

जॉन उस रात बच गया और अगले सुबह तक वह संपुर्ण रूप से ठीक हो गया। जब मैं घर पहुॅचा, पैट ने मुझे बताया कि उस रात उसने भी प्रार्थना की थी और कही, ''परमेश्वर ने उस रात वचन दिया था और वह वही वचन था जो परमेश्वर ने मुझे दिया था। व्यवस्थाविवरण 33:26 और 27।

बाईबल के हजारों हजार वचनों में से परमेश्वर ने पैट को वही वचन दिया जो मुझे दिया था, यदपि मैं दुनिया के दुसरे छोर में था!

बीस साल पहले मुझे सिंगापुर के एंगलिकन कैथेड्रल में प्रचार करने के लिए आमंत्रण मिला था। प्रचार करते वक्त, मुझे ऐसा महसुस हुआ कि ईश्वर मुझे कैथेड्रल के उपर मृत्यु के काले दुत के साया का दर्शन दे रहा है। मैंने प्रचार को बीच में रोककर बिशप को दर्शन के बारे में बताया।

बिशप को इस बात को स्वीकार करने में कोई परेशानी नहीं हुई कि यह परमेश्वर की ओर से है क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जपानियों ने ऑस्ट्रेलियन बीस नर्सों को कैथेड्रल के मैदान में लाया और उन सबको गोली

मारकर वहॉ दफना दिया। उनका शरीर लड़ाई के बाद तक वहॉ पड़ा रहा।

तब हमने इस बात का निर्णय लिया के कैथेड्रल मैदान के बाहर चारों ओर का चक्कर लगाएं और उस मैदान को परमेश्वर के लिए घोषित करें। जैसे कि हम चक्कर लगा रहे थे, सनसनाती सुनाई पड़ने वाली हवा, उतने ही ध्वनि के साथ जितना कि 747 जेट विमान के गति के समान तेज लपेट से शुरू होकर मैदान में चक्कर लगाने वालों के तरफ आया और हरेक लोंगों को मैदान में गिरने पर मजबुर कर दिया, यह उसी प्रकार की हवा थी जिसका बाईबल में उल्लेख किया गया है जब पेन्तिकोस्त के दिन परमेश्वर की सामर्थ चेलों पर गिरी थी।

बिशप जोर से चिल्लाया, ''हमारे साथ यह क्या हो रहा है?''

जब हम कैथेड्रल में सर्विस को पुरा करने आये तो हमने इस बात को महसुस किया कि परमेश्वर ने हमसे बातें किया था और कैथेड्रल से काले दुत को निकाल कर हमें अपनी महान शक्ति को दिखाया।

इस प्रकार के घटना के बाद सिंगापुर के प्रत्येक एंगलिकन मण्डलीयों ने पवित्र आत्मा के सामर्थ में बड़ी जागृति का अनुभव किया, यह महत्वपुर्ण बात है।

सिंगापुर डायोसिस आज भी दृढ सदस्यता के साथ पुरे दुनिया में अग्रणी मण्डलियों में से एक है जो बाईबल में विश्वास करने वाली मण्डली है।

चौदह सालों से क्रिसमस छुट्टी के दौरान, मसीही संस्था जिसका नाम ''युथ फॉर क्राइस्ट'' है के साथ जुड़कर हमने ऑक्लैण्ड के उत्तरी द्वीपों के खाड़ी में अपने खेती युक्त जमीन में युवा शिविर लगाया था। वहॉ औसतन चौदह सौ युवा ने भाग लिया। बहुत सारे युवा ने उन शिविरों में नया जन्म पाया।

प्रथम शिविर के एक रात में, जब मैं लोगों को अपने पापों से पश्चाताप करने के लिए उत्साहित कर रहा था कि सिंगापुर के समान ही सभा के पीछे से तेज हवा मेरी ओर आते हुए सुना।

उसी वक्त उसी समान हवा मेरे पीछे से आते हुए सुना। दोनों हवा काफी जोरदार थी। दोनों हवाओं का टक्कर सभा के बीच में हुआ और अचानक युवा लोग अपने कुर्सी से आगे और पीछे की ओर फेका गये। वहॉ पर सबकुछ इधर–उधर हो गया। लोग चिल्लाने लगे। कुछ

लोग एक किलोमीटर तक भागकर चले गये। अन्य लोग मकान के छत पर चढ़ गये। व्यवस्थापक को कुछ नही समझ आ रहा था कि क्या करें।

सारा कुछ ठीक करने में सारा दिन लग गया।

दो दिनों के बाद हमने युवाओं से दर्जनों गवाहियॉ सुनी कि कैसे अलौकिक आंधी आने के बाद उनका जीवन बदल गया। बहुतेरे गरीब परिवार से थे और उनकी गवाहियॉ सुनने के बाद केवल आप रो सकते थे कि कैसे परमेश्वर ने आश्चर्यजनक तरीके से उनके जीवन को बदल दिया। उन्हें नशा, अनैतिकता और कई सारे पापों से मुक्ति मिल गया था।

कुछ दिन पहले ही हमने उन लोगों को अपनी गवाही देने के लिए बुलाया जिन्होंने हमारी सभा में चंगाई प्राप्त किया था। इसके परिणाम स्वरूप हमने एक सौ चौबीस गवाहियों का डी.भी.डी निकाला है जो चौवन अलग–अलग परिस्थिति में है उनमें से कुछ ऐसे चंगाई हैं जो बीस बर्षो से ठीक है।

आप इनमें से कई गवाहियों को हमारे बेवसाइट www.doveministries.com पर पढ़ सकते हैं।

अध्याय – 13

आप अपने बारे में क्या सोचते हैं?

जब हम अपना जीवन सम्पुर्ण रिति से यीशु मसीह को दे देते हैं तो बाईबल हमें बताती है कि पवित्र आत्मा हमारे अन्दर रहने के लिए आता है। पवित्र आत्मा में बड़ी सामर्थ और विश्वासी इसका अनुभव कर सकते हैं जिसे पवित्र आत्मा का अभिषेक कहा जाता है। यह हमारे अन्दर परमेश्वर की उपस्थिति का प्रकटीकरण है। हम अक्सर इसे गरम या वास्तविक सामर्थ के जैसे अनुभव करते हैं और वह हमें बिना भय के दुसरों को परमेश्वर के बारे में बताने के लिए योग्य बनाता है। इसी प्रकार से शुरूआती मण्डलीयों का विकास हुआ था।

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दिया है कि वह न कभी हमें छोड़ेगा और न त्यागेगा यदि हम उसके पीछे चलें। पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा जो हमारे अन्दर है हम बिमारियों के प्रार्थना कर सकते हैं और दुष्टों की शक्ति

को भगा सकते है और बड़े ही सामर्थ के कार्य को देख सकते हैं।

नया जन्म पाने के पहले मैं बहुत ही कठोर वकील था। जब तक मैं किसी चीज को छुकर अनुभव नहीं करता तबतक उसपर विश्वास नहीं करता था। जब मैंने अपना जीवन परमेश्वर को दे दिया, तो उसने मेरे ऑख को अलौकिकता के लिए खोल दिया और अपनी उपस्थिति को मेरे जीवन में प्रकट किया। मैंने उसके प्रतिज्ञा को अपने जीवन में बिलकुल सत्य पाया है।

मैं प्रत्येक दिन बाईबल पढ़ता हुॅ और हमेशा नया सच्चाई का रूप मेरे सामने प्रकट होता है। जैसे पैट और मैं प्रत्येक दिन अपने परिवार और अन्य लोंगों के लिए प्रार्थना करते हैं हम पाते हैं कि हमारी प्रार्थना का उत्तर मिल जाता है।

परमेश्वर सच्चा है। बाईबल बताती है कि न ही शक्तिशाली लोग, न ही उॅचें लोग और न ही बुद्धिमान मनुष्य परमेश्वर के राज्य का वारिस नहीं हो सकता है। हमें छोटे बच्चों के समान होना है और अपने आप को परमेश्वर को समर्पित करना है यदि हम परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना चाहते है।

बात यह है कि हम अभी अपने आप को उसको समर्पित करने के द्वारा परमेश्वर के राज्य के वारिस बन सकते हैं। मेरा व्यक्तिगत सम्बंध यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ है और अब मैं उन्हे प्यार करने वाला पिता के रूप में जानता हुँ वह मेरी चिंता करता है और अपनी समस्या के समय उसके पास जाकर प्रार्थना कर सकता हुँ।

इसका यही मतलब है जब मैं कहता हुँ कि मैं मसीही हुँ। मैं यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर पिता का संतान हुँ। उसने अपना पवित्र आत्मा को मेरे अन्दर रहने के लिए भेजा है ताकि मैं विश्वासी के समान रह सकुँ और मैं उसकी उपस्थिति को हर समय समझता हुँ। यीशु मसीह ने कहा, वह पवित्र आत्मा को हमारे अन्दर रहने के लिए और हमारा सहायक होने के लिए भेजेगा, और ऐसा ही वह है, हमारा सहायक।

परमेश्वर हर लोगों को ऐसा ही अवसर देता है जो यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता और प्रभु मानकर ग्रहण करने के द्वारा अपने को सम्पुर्ण रिति से उसे देने और उसकी सुनने के लिए तैयार है।

मैं कभी भी पैंतीस बर्ष पहले बिताए जीवन में फिर से वापस लौटना नहीं चाहता हुँ। मैं दुष्ट व्यक्ति नहीं था।

सच तो यह है कि मैं बहुत सारे अच्छे कामों को करने का प्रयास किया। अच्छे लोग, कोई जरूरी नहीं कि स्वर्ग जायें। हमारे अच्छे काम वहॉ नहीं ले जाएंगें। परमेश्वर में हमारा विश्वास ही है जो मायने रखता है। अगर अच्छे कार्य ही हमें स्वर्ग ले जाते तो परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के लिए ये जरूरी नहीं होता ि कवे पीटें जाएँ, लहु लुहान किये जाएँ, चाबुक से मारे जाएँ, हॅसी का पात्रा बने, तब सलीब पर मरने के लिए लटका दिये जायें। परमेश्वर के मेमने के रूप में उन्होंने अपने उपर हमारा सारा पाा ले लिया और अपने पर विश्वास करने वालों को सनातन जीवन दिया।

यह परमेश्वर की ओर से हमारे लिए उपहार है हम खुद से इसे कमा या खरीद नहीं सकते। हम अपने पापों को परमेश्वर के सामने स्वीकार करके, उसके सामने अपने को विनम्र बनाके और अपने जीवन का सर्वोसर्वा बनने को आमंत्रित करने के पश्चात् इसे प्राप्त करते हैं।

यीशु मसीह तीसरे दिन मृतकों में से जी उठे और पवित्र आत्मा को हमारे साथ रहने के लिए भेज दिया। आप उनकी उपस्थिति को अपने जीवन में जान सकते हैं यदि आप अपने को परमेश्वर के समक्ष समर्पित करने को तैयार हैं। परमेश्वर के पास पहुॅचने का केवल एक

मात्र रास्ता यीशु मसीह है। वही मार्ग, सच्चाई और जीवन है।

यदि आज रात आपकी मृत्यु हो जाये, तो क्या आप जानते हैं कि कहॉ जाएंगे, स्वर्ग या नरक। हर एक सॉस जो हम लेते हैं परमेश्वर हमें देता है। हमारा जीवन वाष्प के समान है और कभी भी खत्म हो सकता है। क्या आप मरने के लिए तैयार हैं।

जब मेरी आत्मा मृत्यु के समय मेरे शरीर का त्याग करेगी, मैं अपना धन, सम्पत्ति और कुछ भी अपने साथ नहीं ले जा सकता। नंगा ही इस संसार में आया हुॅ और नंगा ही इस संसार से चला जाना है।

मेरे बच्चे ही केवल एक मात्र विरासत है जिसे इस संसार में छोड़कर जाना है। यदि वे अच्छा मसीही बनकर जियेगें तो अपने पीछे बच्चों को छोड़कर जायेगें जो परमेश्वर को जानते है।

दुसरा विरासत जो मैं इस दुनिया में छोड़कर जाउॅगा, वो है 'आत्मिक बच्चे'। ये वो लोग हैं जिन्हे मैं प्रभु में लाया हुॅ और परमेश्वर के आत्मा से जन्में हैं और सच्ची पवित्रता में परमेश्वर के सामने चलते हैं। वे भी स्वर्ग में जायेगें।

ये सब बहुत ही आसान है पर लगभग इसे खो देते हैं।

क्या आप अपना जीवन यीशु मसीह को समर्पित करने और परमेश्वर के आत्मा से नया जन्म पाने के लिए तैयार हैं? यदि हॉ तो मैं आपको उत्साहित करना चाहता हुॅ कि आप अपने घुटने में जायें और इस प्रार्थना को दोहराएॅ।

'' स्वर्गीय पिता परमेश्वर, मैं आपके बेटे यीशु के नाम से आपके पास आता हुॅ। मैं अपना सभी पाप को अंगीकार करता हुॅ। मैं विश्वास करता हुॅ कि आपने यीशु मसीह को इस संसार में मेरे पापों के बदले क्रुस पर मरने के लिए भेजा है ताकि मेरे सारे पापों का सजा सहें और मुझे अनंत जीवन का वरदान दें।

मैं विश्वास करता हुॅ कि यीशु मसीह तीन दिन के बाद मृत्तकों में से जी उठा है और परमेश्वर के दाहिने हाथ जा बैठा है। यीशु मसीह मै आपके ओर मुड़ता हुॅ। मैं अपने सभी पापों को छोड़ता हुॅ और कहता हुॅ कि आप मेरा प्रभु और उद्धारकर्ता बन जायें। धन्यवाद आपको, प्रभु मुझे बचाने के लिए''।

यदि इस प्रार्थना को आपने विश्वास के साथ दोहराया है तो परमेश्वर इसका उत्तर देंगे। आपको अब उस मण्डली में जाना जो बाईबल में विश्वास रखती है और

आपको प्रत्येक दिन बाईबल पढ़ना है। और जितना जल्द हो सके पानी में बपतिस्मा ले लें।

आपको पवित्र आत्मा में भी बपतिस्मा लेने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना है और अन्य भाषा में बोलना है। ये बातें आपको दुसरों को यीशु के बारे में बताने में सामर्थ देगा, बिमारी को चंगा करने की सामर्थ के साथ साथ दुष्टआत्माओं को निकालने की सामर्थ देगा। आप पवित्र आत्मा के सामर्थ को जान पायेगें और परमेश्वर का प्रेम आपके जीवन को भर देगा।